

संसाधारण EXTRAORDINARY

भागा ॥—खण्ड 4 PART ॥—Section 4

श्राधिकार से श्रकारिक्त PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] लई बिस्ली, बुधबार, मई 29, 1985/ज्येष्ट 8, 1907 No. 3] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 29, 1985/JYAISTHA 8, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रसाजासके

Separat. Puging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मत्रालय

नई दिल्ली, 29 मई, 1985

का नि जा 3 (अ) — छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयाग करते हुए के द्वीय सरकार यह समाधान होने पर कि छावनी प्रशासन के लिए छावनी बार्ड जबलपुर के गठन में फेरफार होना वाछनीय है, एतद्द्वारा धोषणा करती है और अतिरिक्त निदेश दोती है कि 12 माह की कालाविध के लिए अथवा उक्त अधिनियम की धारा 13 के जतर्गत व ई के गठन तक के लिए, इनमें में जा पह ले हा, उक्त छावनी बोर्ड के गठन में फेरफार किया हुआ रहुंगा।

[फाइल सं 29/3/सी/भू व छा /75/2911/रक्षा (क्यू एफ सी)/85] को श्रीनिवासन, सयक्त सचिव =. = :.== ======= . . .

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 29th May, 1985

S.R.O. 3(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (i) of Section 14 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government, being satisfied that for the administration of the Cantonment, it is desirable to vary the constitution of the Cantonment Board, Jabalpur, hereby makes a declaration to that effect and further directs that the constitution of the said Board shall stand varied for a period of 12 months or till a Board is constituted under section 13 of the said Act, whichever is earlier.

[F. No. 29|3|C|1&C|75|2911|D(G&C)|85.K. SRINIVASAN, Jt. Secy.